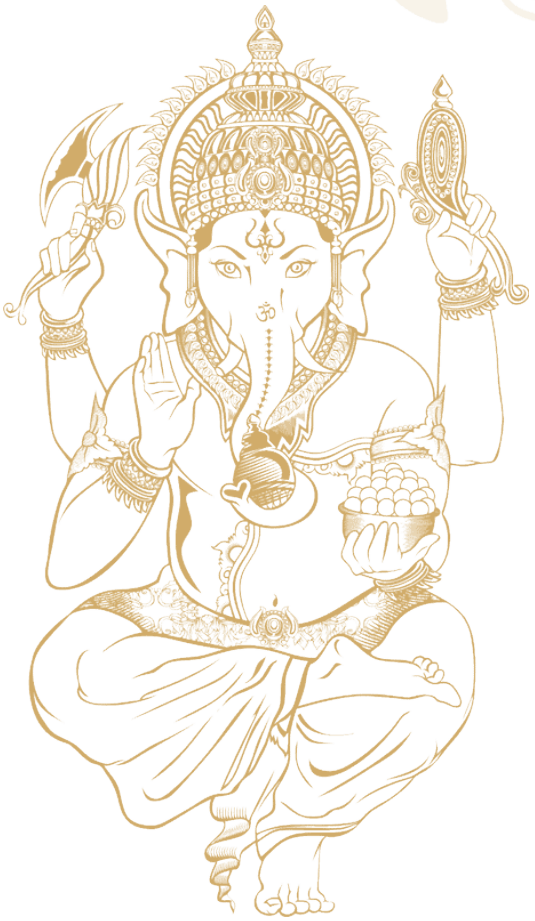

Ms Kirti

20 Nov 2000

09:52 AM

Ludhiana

Model: web-freekundliweb

Order No: 119447507

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**20/11/2000**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**09:52:00 घंटे**
इष्ट	07:15:22 घटी
स्थान	**Ludhiana**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:56:00 उत्तर
रेखांश	75:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:25:28 घंटे
वेलान्तर	00:14:21 घंटे
साम्पातिक काल	13:23:27 घंटे
सूर्योदय	06:57:51 घंटे
सूर्यास्त	17:26:31 घंटे
दिनमान	10:28:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	04:17:07 वृश्चिक
लग्न के अंश	11:32:05 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वैधृति
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टू-टुनटुन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	11:32:05	341:29:39	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	04:17:07	01:00:35	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	24:04:38	13:43:23	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
मंगल			कन्या	16:00:47	00:36:38	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
बुध			तुला	15:57:39	01:19:33	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		वृष	13:21:31	00:08:00	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	14:37:15	01:11:38	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि	व		वृष	03:34:22	00:04:54	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	22:54:30	00:02:55	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	22:54:30	00:02:55	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	उच्च राशि
हर्ष			मक	23:17:13	00:01:15	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप			मक	10:16:43	00:01:10	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	18:19:03	00:02:16	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			कन्या	28:41:33	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:52

लग्न-चलित

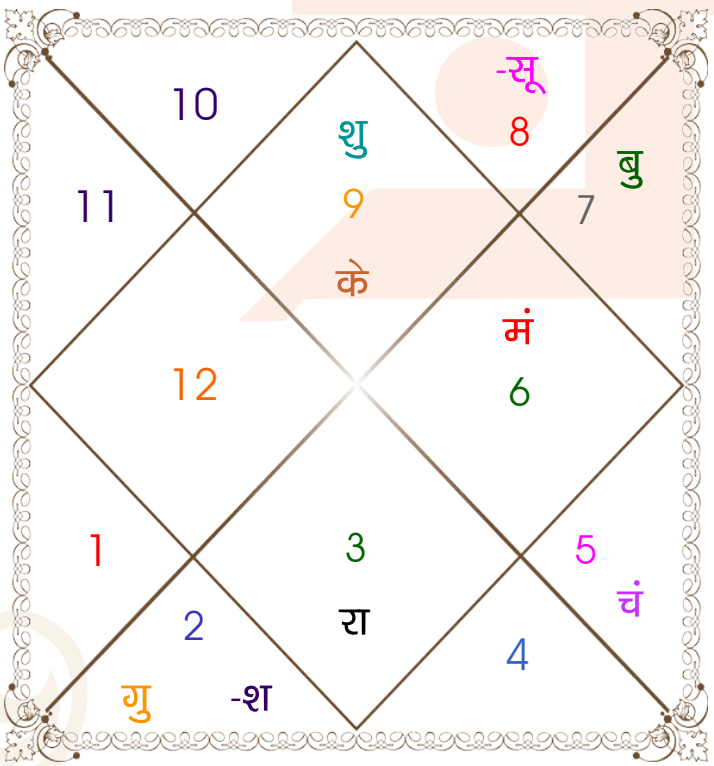

चन्द्र कुंडली

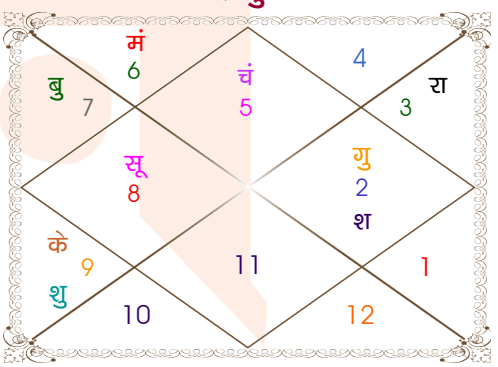

नवमांश कुंडली

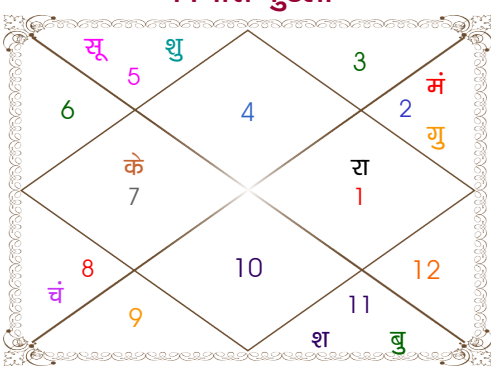

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 3 वर्ष 10 मास 18 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
20/11/2000		09/10/2004		09/10/2010		09/10/2020		09/10/2027	
09/10/2004		09/10/2010		09/10/2020		09/10/2027		09/10/2045	
	00/00/0000	सूर्य	26/01/2005	चंद्र	10/08/2011	मंगल	07/03/2021	राहु	22/06/2030
	00/00/0000	चंद्र	28/07/2005	मंगल	10/03/2012	राहु	25/03/2022	गुरु	14/11/2032
	00/00/0000	मंगल	03/12/2005	राहु	08/09/2013	गुरु	01/03/2023	शनि	21/09/2035
	00/00/0000	राहु	27/10/2006	गुरु	08/01/2015	शनि	09/04/2024	बुध	10/04/2038
	00/00/0000	गुरु	16/08/2007	शनि	09/08/2016	बुध	06/04/2025	केतु	28/04/2039
	00/00/0000	शनि	28/07/2008	बुध	08/01/2018	केतु	02/09/2025	शुक्र	28/04/2042
	20/11/2000	बुध	03/06/2009	केतु	09/08/2018	शुक्र	03/11/2026	सूर्य	23/03/2043
बुध	10/08/2003	केतु	09/10/2009	शुक्र	09/04/2020	सूर्य	10/03/2027	चंद्र	20/09/2044
केतु	09/10/2004	शुक्र	09/10/2010	सूर्य	09/10/2020	चंद्र	09/10/2027	मंगल	09/10/2045

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
09/10/2045		09/10/2061		09/10/2080		09/10/2097		10/10/2104	
09/10/2061		09/10/2080		09/10/2097		10/10/2104		00/00/0000	
गुरु	27/11/2047	शनि	12/10/2064	बुध	07/03/2083	केतु	07/03/2098	शुक्र	09/02/2108
शनि	09/06/2050	बुध	22/06/2067	केतु	04/03/2084	शुक्र	07/05/2099	सूर्य	08/02/2109
बुध	14/09/2052	केतु	31/07/2068	शुक्र	02/01/2087	सूर्य	12/09/2099	चंद्र	10/10/2110
केतु	21/08/2053	शुक्र	30/09/2071	सूर्य	09/11/2087	चंद्र	13/04/2100	मंगल	10/12/2111
शुक्र	21/04/2056	सूर्य	11/09/2072	चंद्र	09/04/2089	मंगल	09/09/2100	राहु	10/12/2114
सूर्य	07/02/2057	चंद्र	13/04/2074	मंगल	07/04/2090	राहु	28/09/2101	गुरु	10/08/2117
चंद्र	09/06/2058	मंगल	22/05/2075	राहु	24/10/2092	गुरु	04/09/2102	शनि	10/10/2120
मंगल	16/05/2059	राहु	28/03/2078	गुरु	30/01/2095	शनि	13/10/2103	बुध	21/11/2120
राहु	09/10/2061	गुरु	09/10/2080	शनि	09/10/2097	बुध	10/10/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 3 वर्ष 10 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।